र्चर-अनाथ-नार्थ-रूपा-मी-रनिर-र्ड्थ-पन्न-विज्ञ-विज्ञ-पन्न-पन्निया-त्यात्र

र्देगानु चतुर अर्गेन के रेटा



त्र्रायुनामान्य्रे देनानी द्युर हेंस एवं हिला वर् की यसमानिन प्राप्त

र्रेगमुन्दुर्भर्गेत्केर्रेट्रा

दर्द्रियम्भित्तान्त्रियः मित्र्रियः मित्र्यः मित्र्यः मित्रः क्षेत्रः स्त्रः मुद्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्र इदः इत्यः मुद्रः स्त्रः प्रदेश्यान् स्त्रः मित्रः स्त्रः मित्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त इतः इतः मित्रः स्त्रः स्त स्थान् मुक्त म्यून्ता विकास क्षेत्र मुक्त मुक्त

नायर.कुर्म च्रेर.कु.मा.स्रु.च्र रतिर.कु.स.उत्त.स्र्या चन्नना नायर.मानुन

ग्रेट मनी

तदैर वें र की नार्के देना नी द्यु र ईंब तदी हुंव लेख चाई र कें दे व नानु र खनाब र है र दब कर नानि लेना ना हु र विवास र क्र ने ने प्रति होता है ते हैं ते है ते हैं ते है ते हैं त व्रथायर्दर सद् र्केन्नसः मुक्तर्यन् स्परः ५ उटः १८ । ११ वर्षेटः पर्ठे १८ वर्षेते गुटः वेदिः ग्री नार्के रैना दुवः देवः पर्देवः वेदसः दटः वेदः क्रान्दः विद्रः सर्वेदः विद्रः स्वतः दर्गेदः सर्वेन मुयासक्त्रायम्यानुषाः «क्त्रार्यम् मेदायहमामी द्युदार्ह्याय्युः ह्या मेरायम् रायाः मेवायमिताय्ये पर्याद्यास्य त्देर[्]वे जो नक्षेर्यन ने द्वार के अपने क्षा कर क्षा के कर के ना क्षेत्र प्रमानी द्वार के अपने क्षा कर का जो द ना नहें र नेरा क्रमान हैं र खेनमा मून ज़र्म सेटमा इमानमा सून मुन्य मुन्य में मान जन्म हैं महिर र नूमान मान स् रप्राचानि हे रप्राच्या प्राचित्र प्राच्या प्राची देवानी देवाना वार्ष्य वार्ष्य वार्ष्य वार्ष्य वार्ष्य वार्ष्य देरी देश देश ही केनाश दर पकें चरी हिंद की देश बर । इधिर शावत की गुल ही स्थार दना यादधर पर मुख्य प्यापर दना या र्रोत्रयानोर्दरक्ते में देशवार द्वाया द्वराय्वश्री यद्वर् दुश्यार द्वाया चरुश्वास्था वर हेत् वृत्यय दर मिनाया दिश्ये देशदेश वित्रभायते. श्रुभाटट हेवाम वितास वे रितिर हुम ब्रिमवर वेबा की रिमेवाम स्विता स्वर पर्रेती दे ता में कट रिवेर के स्वर त्या कर त्रिया क्षेत्रदाष्ट्रकाकारपुरार्ड्रबात्त्रियास्यास्यास्यास्यास्यास्य प्रमात्रिकारप्रमायस्य स्थाप्ते स्थाप्ति । लेशना जान क्षेट : हेना उत्तीश केवा हीशा देश र होंद : ही कि जाना हूं नोश नद : ही के ही ही कि साम की की की की की तर में नेतृ वोद्या वोट होते वोश्वर दूर श मेश त रेटा विश्व पर हिए हश मेश ग्रीट र रेटा पट श्रेव श्री पूर र रेटी वोह हुए श श्व.ब्री.क.स.स्.इशक.ल्ट्रा.ब्री.चमवा.चर.वेद.देश.त.केरोटतिर.क्र्रश.धेबी.पत्री.चतु.रब्र्याताबाद्व.क्र्यटा.ट्री.बी.रटा.टी.पटेबी. भावमाना मूटा भारतमा भीमा हरामा रसिरातर जिमाना रहा। विचायह बाता प्रमार रिया पर्टर जिहा हुँ मा क्या हीमा र विचाय [4EB] लेख श्री

रट.त्री रतिर.श्रूमारति.वर्ग.संबूची

बाद्यम् त्रकेतान्त्रस्य स्वत् । त्र्ये नक्षेत्र त्रक्षेत्र व्यवस्थान स्वत् वित्त स्वस्थान स्वत् वित्त स्वस्थान वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र क्षेत्र वित्र क्षेत्र वित्र क्षेत्र वित्र स्वस्थान क्षेत्र वित्र वित ल्युक्षः क्षेत्रक्षः मान्यः प्रस्तः स्त्रीतः स्त्रीतः द्वेतः द्वेतः द्वेतः द्वेतः क्षेत्रः स्त्रान्तः स्त्रान् भेषायः स्वरः क्षेत्रः स्त्रोतः स्त्रीतः स्त्रेतः द्वेतः द्वेतः द्वेतः द्वेतः द्वेतः स्त्रान्तः स्त्रान्तः स्त्र व्यत्ते स्त्रान्तः स्त्रान्तः स्त्रान्तः स्त्रान्तः स्त्रान्तः स्त्रान्तः स्त्रान्तः स्त्रान्तः स्त्रान्तः स्त

यही अर्देर व गर्भ य रेग परे रेग कव परिया अर्केव व वर र्शेग हिय पहना दट क्षेत्र हरा हिय पहना हा सुर्देश र्शेग केंद्र हा दट हिय <u> ५६म मे ५५५ ईस पेद द रे प्र ५४ पुद छट रेट रेंदे दट मे दिय ५६म बेद प्रेया</u> चेटश्राम चर्नर.ष्ट्र.स्वेशः(ब्रेट.रा.स्स क्री) क्रिम हेर लावाक्यम हा स्र रमा क्रिम ल्या हो वा लावाक्यम दे द्या वा क्रिट स्पा क्रिम वाक्रिट रूट प्रक्रि क्रिम बीय बुध रा लुपी ज् मैंशन्द भू मीरित हैंद मूर्वाम बी हिया पहिना रिवेट हुंस लुध थान्य विमानामा सुना वामा पूर रापेट पर्ट्र या है। क्रुमाना भिना महूर पर्दर मार्ट महेमा इर मनर महूर महर रायेर प्रमानमा मार्ट भिना ग्रेस क्रिमा वर्ष र मेर्ट स्थार नार्थित तु के पूर्व प्रत्ये के तु के त बुक्रायट यद ब्रीट सुंद य दरा | देतेर य चब्रिक ब्रुक्र यद देतेर देवेर देवक क्षेत्र य वक्षर देतेर कु खूव खेवक हे यद अर पर र दाय . हेसप्देर जिस्र वश्चर द्युर वर्जी व रटा हि रह्म द्युर जट द्युर बेस दे रवा वस वेंस वट पट सर वसव दवाय केटा रेवास हूट ८८: र्रेन्थ खेवः खेन्थ निर्वतः दश्यादः हेर् ५५ ५ नादः त्र के १५५५ हें अवदी क्ये १ क्षेत्रः य गुत्रः दश्यादे विवासिक्षादे विद्यादे १५५५ हें अवि उद्यानावाना वात्रा में कार्या में के प्राप्त में के **व्हनान्दरःदुःसःचतुरःद्वाद्यरःनिव्यन्तिन्यःचित्रायःचेदःसःवद्यः ।विषःसःयः।वःक्षरःक्षनःव्ययःक्षयःचैषातुरःक्षयःद्यरःनिवःनिवःना** શ્રુંના સ્વાય જેને તાલુના મુન્ડ તાર તરીને ક્રિયા હતા તાલુ તે તેમના ના તરીને કુચ તરીય સાન્ય ક્રિયત સ્વાયના તામે ત विटाविटमामेट.पाताम्म्,जब्रूर.प्रमावेटाम्,क्रिमानेटाम्भामाङ्ग्यमाने.प्रटातारितेरान्युताटाष्ट्र्यात्राटाम्,स्वाताटारीराम् र्सुनाय:पञ्चीनाय:पञ्ची पदे पाय:रह्म पाय:रहे हीना खार १ [4EB]होय:सी[

दक्षर-मेर्गा भूषाचनके त्रित्राचनके त्रिष्ठा प्रत्याक्षेत्र स्वाधिक प्रत्याचिक प्रत्याच प्रत्याचिक प्रत्याचिक प्रत्याचिक प्रत्याचिक प्रत्याचिक प्रत्याचिक प्रत्याचिक प्रत्याचिक प्रत्याचिक प्रत्याच प्रत्याच

गिरुषाया ५५५.्रा.मी.४चीय.४ची

स्यासमिनाध्या अर्द्ध्या सावसःसम्प्रेस्टः मिन्द्रिः सेटः। ट्रॉह्य्य्ट्यान्यान्द्रिः स्ट्रम् स्यास्यान्यान्त्रस् स्यासमिनाध्याः स्थितः स्थितः स्थाः स्थ निस्याः सर्द्रम् स्थाः स्थ

综述型论文。这是在归纳、总结前人或今人对某学科中某一学术问题已有研究 成果的基础上,加以介绍或评论,从而发表自己见解的一种论文。

रवीयःत्रद्वार्तिः क्ष्मा व्यव्यान्ति । क्ष्मा व्यव्यानि । क्ष्मा विष्यानि । क्ष्मानि । क्ष्मा विष्यानि । क

综合型论文。这是一种将综述型和论辩型两种形式有机结合起来写成的一种论 文。

ब्राच्यक्ष्मप्रस्था द्रश्या द्रश्या द्रश्याक्षम् । वित्रक्ष्मण्याक्ष्मण्याक्ष्मण्याक्ष्मण्याक्ष्मण्याक्ष्मण्याक्ष्मण्याः । विद्रश्यक्ष्मण्याक्ष्मण्याः । विद्रश्यक्ष्मण्याः । विद्रश्यक्षम् । विद्रश्यक्षमः । विद्रश्

दे.केर.रतिर.क्ष्मत्रक्षियःवे.ह्याकारविराधरःती इ.केर.रतिर.क्ष्मत्रक्षियःवे.ह्याकारविराधरःक्षेत्रकार्यः क्ष्मक्ष्मिकार्त्यः तात्रकार्यः क्ष्मित्रक्षेत्रः वर्षिरः वर्षे र्युर र्डेंभ न्नाय प्रतः दंत वत्र र्वेत वत्र राष्ट्रिया वत्र केव क्षेट वत्री र्डेभ वत्र । सहवाय ध्रुप क्षेप र् व्यवस्था विकास क्षेप क्षेप क्षेप विकास क्षेप विकास क्षेप विकास क्षेप क्षेप क्षेप क्षेप क्षेप क्षेप क्षेप क्षेप

चलिया कट. कुच चुल नहूर नितृर्य जु चल्ड्स चल्ड स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त

चन्नी बट र्देन नवर प्रधुस रट सहना प्रधु नाक्षेत्र ईस नानुट नी बट र्देन रट प्यत नट हे प्रधि प्रवेश सर्ने ह नाक्षेत्र पुरू रट रेसे नडिन प्रकृति क्षेत्र र प्रधुस रट सहना प्रधु नाक्षेत्र ईस नानुट नी बट र्देन रट प्यत नट हे प्रधि प्रवेश सर्

वनिया वयुटवीरेयरुवा

विनिद्ध हुंश लुबे हेव सूत्र थर रूप के चरेर नर्देश है कुबे कर ना (लु बे प्रविक्त है के ने जब शुन्तक ना)रूप परिश या निवर क्रियम हे र हिट म देव कर देव रट हे य निवर या मर्दर व में मन में देव हें व क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र कर यहे र यदे हिट में साय हिना क्षेत्र व र्दश [1DK] ईंश निष्य पुट र्हेश शुक्ष ८८ रू मध्येष पर ष्य पुट के या ईंश मनुष्ट मुर्दे मार्थ के या शुक्र खायर हैं हैं ५ ५ त्युर य द्वेर हा। वेद कु मार्थ देन जमा मार्थ देन मुद्द यहितामा अय तम मुद्द जमार्थन मार्थ देन के सद्भाव नेट अर्थे के हो । व रूप दशा रनाय दशा अर्र दशा हिट दशाहि दश सूर्याय वायर वाहा ताहन हिट ने नेवा रे तपन त शर्तराव नेट. बुशह बाज मुंग देवायाता इट मुंट देवेयातर, देवर मुंदा चर्टर मुद्र तथाया मे अमुद्र तह बाह् बायानेवा. दगारः क्षेत्रेवेट क्षेत्राक्ष दये दट-दये ठक दें क्षेत्रक्षक या दट यक्षेत्र या ठेक क्षेत्र क्षेत्र वे त्या क्षेत्र इत्यादक क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र या दट यक्षेत्र या ठेक क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क अर्द्भेद्रपरिअर्मे पुरुक्ति से रेपोन परिवय में रेपाय है होना परिवेद में किया में कर समीद द्रार पर्दा द्रार देप सेवाय है से होना परिवा मे ट्रमानमानमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात् वारतिरात्ता क्षेर्याच्हराता क्षेरामिता क्षेरामिता क्षेत्रम् कि क्ष्मान्द्रात्ती क्षेराक्षर कराया वार्ष्य विश्व «च्र्राणु नार्क्र द्रना वाका तीका की.क्रनाका मिता क्षेत्रका नास्त्रका की.सूर.वाकार्ट.दशर देतेर.ता ट्रेट.सूट.र वीकारायुः दनावः सूर्या» सं.सीयान विराजा अक्टूबे व मूर दि प्राचित रहे हुँ बे का समा के पाकर लूरी राष्ट्रिय दिश हो गा विराज प्रथम हैं नाहेर दिश होना सर र्डेश भेग पर्न मुंग हैते दुस देव दर्ग मुंग दर में भेग रेगांस मान्य है दुस देव। वेंद भेग में दुस देव भेर हार मार्स रेग केंद प्रस गुरुषदेयमधीत्यस्त्राम्यवायम् स्तुरः कृषीत् मुद्राव मुद्र नियम् वा «र्वर गुन्ने वा व्यव्यान्य » व्यवस्त्र म्यान मेर्द्रि: मेंद्र क्षे नार्श्व: देनाः व्यवस्थाः क्षेत्र नार्श्व: देनाः क्षेत्र मेर्द्र क्षेत्र मेर्द्र क्षेत्र क्ष नार्के देना प्रमाना अक्ष सुर् मुक्त मुक्त देन प्रमान के प्रमान परितास के स्वाप कि स्वाप स्वाप स्वाप के स्वाप स «कनाशकुः खायन सेस्स नासुस्य वर्षान्य प्राप्त का क्षेत्र होता वर्षा कर्षा के का क वैश्वःक्षेत्रेर्द्रः वैश्वः «खःदञ्चनः दर्वेद्वः यदैः र्वेदः वैवाः देः द्रदः वैः वेः स्वः यनुश्वः देवः युः दर्वेवः यदैः द्वुदः यस्त्रः

त्रु» [2J20] इ.स. १८ १ वर्ष वर्ष के वर्ष के वर्ष के वर्ष के कि वर

क्रमा बर रूप नबर नहेंगा

न्दर-देशक्षा क्षेत्र विद्युत्त क्षेत्र क्षेत्

बटार्देव नवद् यथुक्ष सुग्रम्थि से उटायर नवका यहुव दी।

कुर्यात्रमुक्तु द्वात् विद्याद्वात् क्षात्रमुक्त्या क्ष्याया क्षयाया क्षयाय विद्याया विद्याया विद्याया विद्याय विद्याया विद्याय विद्याय विद्याय विद्याया विद्याय विद्याय

मिन्ने रत्मेश्रर्था रात्रिय मान्यार्था मान्यार्था मान्यार्था मान्यार्था मान्यार्था मान्यार्था मान्यार्था मान्यार्थी मार्यार्थी मार्य

मंत्रेशा क्र्यमंबिट जाम मेलन रेट जाम नर्ने र प्रति क्रम जी क्रम

मली अटक्रमान्ट्रमधक्रमा

हा क्र्मिनायदे दर दिने क्रियते हैं से वह क्रिय क्रिय क्रिय हैं में क्रिय हैं

टिंग श्रिमा स्वाप्त सराया चरमा मेया संय हीय स्वाप्त श्री में असूना में स्वाप्त श्री मूला

न्द्रता वर्गे नहें दर्भ सहन हुद सनम के बर देंब है सह नेबेब द से हेंद्र ना

वैचाना चेत्ररक्ष्यान्त्रक्षा

देतर. कुंब ब्री क नेट. रेट. । वेबर. प्रहेश रेट्ब वोश्वेय त्रमें प्रवेश कर कर होता है रे. श्री चतु श्री ट. रेट. कुंब लिय रे व्यक्ति वे क्रिया के क्रिया क्रिया के क्रि

यद्वाया हेंबामबुदामेवदार्देवा

र्चर क्षेत्रमूर्य पर्दा रस्पर हें अपने स्वा के वर वायर र्द्र क्षेत्र क्या स्वा करा। मूर्य रेग व्या क्षा विमा कर स्विय पहुन मुक्त विनामानियारहान यहना यहेंगानियारहान क्षेत्र हमानियारहान अतार नार्शेट यहार्यनामान्त्र यहानीमार नारार्थन देवर अध्य निर्देश में दें दें निर्देश निर्देश में दें में स्वाद के स्वाद के सम्बद्ध में के स्वाद में स्वाद बाट उत्तेर मञ्चार कृता पालियो वास्त्र हता क्रिया क्रिया है में स्वार्थ क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क्र श्चिम्बीट द्र मुक्ट मे मुन प्रत्य दर के मेरे जमा जेर ज दिन यहिन मार्थ देन दर मुद्द दर मे प्रतिद्या प्रत्य में के जिस के प्रति विद्या प्रति में के मार्थ देन त्हना चठम ने हु. सूर तर् रिते . कुम हो इचम सुचालुष तम हे जा कुर रेट हो तिवाली मा क्षेत्र तम में विवास हो उन्हें स्वयम ने र त्त्राक्षेत्रज्ञे में देश नेवर क्रिये देश हर कर क्रिये हेर पर्देश केर परिवार केर पर्देश यत्र्य हेटमान्न देतर हुमान्त्र जीवामान्द्र भेष में मारा यान्य मार्ट्य देवर हुमा हो। ह्य पुरा आवमान्द्र वाहार मार्ट्य बार्ट्रिय प्रहें बार्ट् श्रे हें अनुसारे। देवे खर केंस पर प्रेंस हत बाल्य पर हों पर पर प्रदेश पर बाल के से अपने के स्पर्देश तर्रः क्रिमानीबाधार्यन् सुन् सुन् तर्रात्त्रात् वाटाक्षेत्रात्तर पिनाविद्यान्त्रात्रात्राः सुन् सुनानीबाधारात्या वाटाराय्या हिमा ह्निर:क्र्यानेम:रस्त्रा यहेब.तर्श्यक्षेत्रतहेब.रट.स्य.हम.क्षेत्रतहेब.के.वेर.सस्य.य.र<u>ट्य.चेत.रतेर.क्र्य.क्रे</u>। ट्र्य.क्षेर.बट.र. बर् में बरानुवानवे हम वर्षीय भून वह बानिम सद्याप्य में बर्ग दिर मुंबा में बर्ग वाम् म क्रूम नेम सद्याप्य में बर्ग वर्त्त न में बर्ग वर्षेत्र नादर र्देन वना नार्दर होर परी पर पर्देश वपश्यश ही पश्चर हिना ने नादश होगा ५ ५ ५ ५ दिन होर विराध पर प्रदेश विराध पर चट्ट्यानियात्त्र, टेबा मुटे. उत्तर क्याता सूबोयात्तर, बोय्याक्ष्या स्थि कुर्य, येथा इया जीया कुर्य, मुख्य ह्या विश्व ह्या विश्व येथा इट र्ल्स बुक बेक बेक केल के इंटर के किया दुर्व पी शयक याम ये दार्श्व पाइट कर यही या यह मिक मुख्य । अक दान ऑट युट प्र निरामकूर्यात्रारा बुत्याचा तार्वा हिरानिर प्रतासिक मार्गे हिरानि हिरानि हिरानि हिरानि हिरानिर प्रतासिक लुश्रोट्र.जलट.प्र.क्ट.मे.स्य.ब्रेश देतर.येद्र.जवंश ते.र्युश.त.वाड्री रित्रेर.तद्र.वाड्य.जलवाक्ट.वाड्री रित्रेर.तद्र.स्वाजावेट. रेनाम नहीं निर्तेर एक रनाय ना के नहीं निमायर ना क्षर हनाय प्रमान निमाय की मित्र के मिन्न के मार्थ के वार्षना मार देवे तच्यान्यायाः वर्ष्यायायाः वर्ष्यायायाः वर्षायायाः वर्षायाः वर्षायः वर्षा रट.मैंच.मैंट.ब्रि.लंट.खंटम.बार्ड.क्र.पहूची ट्रेजरट.मब्स्मिसंचित्रीय.टे.लंट.द्रबाम.बार्डम.ल.म.संच्याचर.मूंच्याचट.वाचट.वाचट.वाचट. रट.केबा.तर.हबान.त.बाबू.त्र्य.बाबट.टब्र्य.होशु.हबान.टट.बीच.नवरी लिय.ब्रेबान.ब्रुब्य.ब्रुव्यन्त्र.व्याच्याच्या म्बु:र्से ५८ से लिम मे प्यस्त स्थायन क्षेत्र के में इंटर से विषय है। [4EB]लेस सी।

च के मिल सूर्यक्र तर्म हैं से क कुर यो ट्रें जाव बाशन में बात रेटा कुबा हैं र के हैन वि हे ज्येश हे बाशज ज बाहेट यो जुबा क्रूं र पश्चर नहीं श्री कुबा है वा क्रूंग है र विश्व रनेट हुंश के हैं श्री बोहेर के हैन वि है ज्येश हे बाशज ज बाहेट यो जुबा लिया हूं र पश्चर नहीं श्री कुबा है वा क्रूंग है र विश्व रनेट हुंश के हैं श्री बोहेर बोहेर के है या वह ज़बार है वाशज ज बाहेट यो ज़बार है र पश्चर में स्थाप के बाहे

तबैर.ताश्चनश्चरम्ह्बाक्षंत्रश

र्गामा र्युर हेंब निर्मुर महित विकेश विकार होंग श्रम्या

विश्व द्रमुद्र वित्र द्रम् द्रम् द्रम् द्रम् द्रम् द्रम् द्रम् द्रम् वित्र वित्र कार्मेद्र हर्वाया

देवद्युषस्यवा M

र्भेज्य मञ्जेज्य के देया G

क्ष्यंत्र-तर-ता N

ध्रुज्ञुःया R

र्मुन हुव हु पञ्चनमञ्जा EB

वॅद्रहेरवा CD

क्यद्याचा P

इबादेवचा र

र्श्वचन्त्रसन्धुनः ईसन्या D

क्र्यायप्रति:बेद:र्सवा C

प्रक्रप्रदेव.रे.के.वो OT

ह्याचे DK

झुचनाया MT

मारमासदित्वा DB

नहेश अहमयहँन सुर द्वेशका

र्डें स मनुदः मैं अपया सुः यदित में दिन दर्भिय के र्वेण अरः युदः यदेत मर्गेदः सः दरः | अहल र्वेण मृः []त्रः दुः में द्रिदः मन्दिः । विण्यः दरः दरः दरः माने अस्य मानुः स्याप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स्थाप

वेशिया रतिर विश्वर कुवाक उत्बूर संदर्श

- नामु र्वेन हिट अर्थेन हन अर्नेन यो नार्थे रेन कुर यही [M] यें र क्टेंट अर्थ र्थट अर्थ हमाया 1992.12
- व वेंद्र क्षत्र क्षेंच नकेंद्र दिन वहन[J]वेंद्र हेंद्र कमेंद्र हु पर पदेवक वर्ते मु 2017वेंदे देव दुन या
- व गुरःसर्गेदःक्षयमा देवःवेरःदगरःसेदेखेदा [MT] त्रुवदःसेदःकुदेश्यक्षेत्रःक्षेणमा 2018विंदा

र्धर मन्द्रिय धेन का

- 1 रेड्-केड्-स्यानिया रेगामनुदः द्युद् र्हेब हे प्रराय्यादिनीया द्याय श्रायम [EB]
- 2 गुट मेरि मेर्-रेणया ये केन केण इन है केन यरायटा[J] 2013 मेरे देय दट में
- 3 गुट मेर्रि वेंद्र कुष्मिर्देश अर्के हिंद के वेट पराषटा [J]2015 वेरे देव दट या
- 4 त्युक्ट कुर्मेया अस्त्रेय मध्यकेत केत्र प्रेनिया [EB]20185 ईया

बुर भृदेधीया क

र्गोद्रासर्केन्कुयासक्त्रा चेर्कुन्यक्रेचर्रन्थः क्ष्यर्थन्त्रिचयहन्निन्नुहत्त्रुन्यस्य प्रमायक्षयस्य स्थापित्।[M]सेर्यनसर्थे सुद्रावटः।2015वरःसुद्रा

